ब्रह्माकुमारीज़ः शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नगर पालिका निगम, नवनिर्वाचित महापौर, सभापति एवं पार्षदों का सम्मान

राजनीति में सेवाभाव को जोड़ने से होंगे सफलः विधायक सोनी

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में नगर पालिका निगम, रायपुर के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति एवं पार्षदों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। **विषय था- राजधानी को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में मेरी प्राथमिकताएं।**

विधायक सुनील सोनी, रायपुर दक्षिण ने सभी पार्षदों से कहा जब तक मन में सेवा भाव जागृत नहीं होगा तब तक सफल राजनेता नहीं कहलाएंगे। कोविड ने हमको यह सिखाया है कि हमारे साथ हमारे कर्म के सिवाए कुछ भी जाने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि यहाँ की बहनें संयमित जीवन जीती हैं इसलिए इनकी वाणी का दिल पर प्रभाव पड़ता है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को चरितार्थ करती है। यही भावना इस

देश की सुन्दरता है। उन्होंने निवेदन किया कि शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के कार्य में ब्रह्माकुमारीज़ बहनों का मार्गदर्शन हमें मिले यही अपेक्षा है।

ब्रह्माकुमारीज़ का स्वागत सबसे अलगः सभापति

सभापति सूर्यकान्त राठौर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का नाम लेते ही मन में सेवाभाव पैदा हो जाता है। यह संगठन आमजन को भारतीय संस्कृति से जोड़कर सेवा करना सिखाता है। यहाँ राजयोग मेडिटेशन से एकाग्रता बढ़ती है जिससे हमारी कार्य क्षमता भी बढ़ती है।

भटकते मन को मिली शान्तिः मिश्रा

विधायक पुरन्दर मिश्रा,रायपुर उत्तर ने कहा कि हम लोग शान्ति की खोज में यहाँ-वहाँ भटक रहे हैं किन्तु शान्ति हमारे ही अन्दर है। वर्तमान कलियुग में मायाजाल से हटकर ऐसी शान्त जगह आने का अवसर मिला तो अच्छा लगा। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों के द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य से की गई। स्थानीय गायिका कु. शारदा नाग ने मधुर स्वर में प्रेरणादायक गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु. अदिति ने किया।

सेवा द्वारा दुआएं पाने का सुनहरा अवसरः सविता दीदी

रायपुर संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आप सुबह से अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर व्यस्त हो जाते हैं लेकिन सुबह की शुरुआत यदि राजयोग मडिटेशन से करें तो बिना तनाव में आए सेवा कर सकेंगे। आपको जनता की दुआएं प्राप्त करने का सुनहरा अवसर ईश्वर ने दिया है। दुआएं प्राप्त करने के लिए जीवन का मंत्र है कि समय के पाबन्द रहें। राजयोग मेडिटेशन को जीवन में अपनाएं। राजयोग से हमारा जीवन संयमित और अनुशासित होता है। उन्होंने कॉमेन्ट्री द्वारा सभी को राजयोग का व्यवहारिक अभ्यास भी कराया।

मथुरा में भारत सरकार और ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ

मथुरा-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के रिफाइनरी नगर सेवाकेन्द्र द्वारा भारत सरकार और ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ कार्यक्रम में मथुरा जिला मुख्यालय में सहायक मैजिस्ट्रेट अमरेश

कुमार मौर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्र पाल एवं अन्य सहायक अधिकारी रैली में शामिल हुए। अभियान में मुख्य रूप से स्क्रीन बैनर मॉडल और चलचित्र के द्वारा नशे की लत की जानकारी प्रदान की जाएगी। माउंट आबू राजस्थान के द्वारा अलग-अलग शहरों में कई रैलियां निकाली जा रही हैं। डॉ. सचिन परब,माउंट आबू ने नशामुक्त भारत अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि नशामुक्ति के लिए पूरे वर्ष मथुरा जिले के सभी गांव और शिक्षण संस्थाओं में नशामुक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की मथुरा ब्रांच और ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आईएमए के सभागार में आर्ट ऑफ रिलैक्सेशन विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. सचिन परब ने तनाव प्रबंधन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। जिसमें सैकड़ों चिकित्सकों ने तनाव मुक्त रहकर चिकित्सा जारी रखने के तरीके समझे, तनाव मुक्त रहने के गुर भी सीखे। डॉ. सचिन परब अंतर्राष्ट्रीय प्रोग्राम विहाशा के राष्ट्रीय समन्वयक और नशामुक्त भारत अभियान के राष्ट्रीय संयोजक हैं। उन्होंने सरल शब्दों में डॉक्टरों से पूछा कि क्या आप टेन्शन लेते हैं या आती है। सभी डॉक्टर विचारमग्न हो गये। उन्होंने फिर अगला प्रश्न पूछा कि यदि मैं अपना पेन आपको दूं और आप ना लें तो पेन किसके पास रहेगा? रिफायनरी सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कृष्णा दीदी ने बताया कि तनावमुक्त रहने के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास बहुत कारगर है। मंच का कुशल संचालन डॉक्टर अनु गोयल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर करुणा ने किया। कार्यक्रम में डॉ. वर्मन, डॉ. डी. पी. गोयल, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. मधु, डॉ. रूपा गोपाल, डॉ. चारू, डॉ. रश्मि, डॉ. मुकेश जैन आदि भी उपस्थित रहे।

आत्मबल जीवन की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति देताः कर्नल सती

ग्वालियर-म.प्र.। स्व-सशक्तिकरण का अर्थ है- स्वयं को समझना, अपनी कमज़ोरियों पर विजय प्राप्त करना। इसके लिए अपने विचारों पर नियंत्रण प्राप्त करना आवश्यक है। जब मन शांत होता है तो निर्णय शक्ति, एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ जाता है। यही आत्मबल हमें जीवन की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति देता है जोकि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का मूल है। उक्त बात कर्नल सती ने तिघरा के पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में कही। इसके साथ ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ में भी सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों के साथियों को शारीरिक पराक्रम के साथ मानसिक दृढ़ता और भावनात्मक संतुलन कि भी ज़रूरत है। लगातार तनाव, अनिश्चितता, विपरीत परिस्थितियाँ और मानसिक दबाव हमारी आंतरिक शक्ति की परीक्षा लेते हैं। ऐसे में हमें मनोबल की आवश्यकता होती है। राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास करें तो हम परमात्म शक्तियों से आत्मा को सशक्त कर सकते हैं। जब हम स्वयं को अंदर से सशक्त महसूस करते हैं, तभी हम देश और समाज की रक्षा पूरी निष्ठा के साथ कर सकते हैं। ब्र.कु. आदर्श बहन ने मेडिटेशन के माध्यम से शान्ति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में ब्र.कु. प्रहलाद, कमांडेंट पीसी गुप्ता, डिप्टी कमांडेंट दिलावर सिंह सहित पुलिस जवान उपस्थित रहे।

सकारात्मक विचारों की शक्ति हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाताः कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. गुप्ता

वडोदरा-अटलादरा(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा में 'विचारों की नवीनता से नये जीवन की रचना' विषय पर एक प्रेरक सेमिनार में दिल्ली के जीबी पंत हॉस्पिटल से सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट और डायरेक्टर प्रोफेसर ऑफ कार्डियोलॉजी डॉ. मोहित गुप्ता ने दृढ़ संकल्प एवं सकारात्मक विचार के द्वारा मन, मस्तिष्क और शरीर को कैसे सशक्त कर सकते हैं इसके बारे में मार्गदर्शन करते हुए नए अनुभवों की एक अनोखी यात्रा कराई और अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए। चिकित्सा जगत में शक्तिशाली संकल्पों से उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा के द्वारा ऐसे प्रमाणिक रिसर्च और व्यक्तियों के जीवंत उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि कितने ही असाध्य रोग इन संकल्पों की शक्ति से ठीक हो चुके हैं। विचारों की शक्ति का हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता और रोग निवारण में कितना अद्भुत प्रभाव पड़ता है यह स्वयं की मस्तिष्क में हुई सर्जरी से जुड़े अनुभव उन्होंने सभी को बताए। सभी को इस बात के लिए प्रेरित किया कि योग और आध्यात्मिक विचारों की शक्ति से हम अपने जीवन में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। शारीरिक बीमारियां हो या मानसिक या फिर संबंधों की पारस्परिक नकारात्मकता हो इन सभी को योग और शक्तिशाली संकल्पों के द्वारा हम ठीक कर सकते हैं। अंत में कॉमेन्ट्री द्वारा डॉ. गुप्ता ने सभी को योग का सुखद अनुभव कराया। साथ ही प्रश्नों के उत्तर तर्क व अनुभव सहित साझा किए। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अरुणा ने कहा कि सच्ची मन की शान्ति की अनुभूति करने के लिए राजयोग का अभ्यास सीखना होगा। ब्र.कु. पूनम ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमांग जोशी,वडोदरा, डिप्टी मेयर चिराग बारोट, डायरेक्टर केमकॉन स्पेशियलिटी केमिकल्स लिमिटेड के कमल अग्रवाल और श्रीमती पिंकी अग्रवाल, कॉन्मेट इंडिया लिमिटेड एमडी श्रीमती रीना रस्तोगी, साइन फार्मास्युटिकल के प्रदीप अग्रवाल, जगदीश फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑनर नितिन ठक्कर, वाछानी सौराष्ट्र कड़वा पटेल सेवा समाज के प्रेसिडेंट मणि भाई और साथ ही शहर के 500 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th June, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org